>

Title: Need to enquire fixing of IPL matches.

श्री शैलेन्द्र कुमार (कौशाम्बी): अध्यक्ष महोदया, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। आज पूरे देश में आईपीएल मैच हो रहे हैं। आपने देखा होगा कि इसी सदन में कालेधन को लेकर बराबर चर्चा हुयी कि किस प्रकार से कालेधन को वापस लाया जाए और सरकार इस पर श्वेत-पत्र जारी करे। आज पूरे देश में जो आईपीएल मैच हो रहे हैं, वे फिक्सिंग के तहत हो रहे हैं, जिनमें कालेधन का दुरूपयोग पूरी तरीके से हो रहा है और उसे सफेद धन बनाया जा रहा है। यह बहुत बड़ी एक साजिश है। मैं चाहूंगा कि सरकार इसे संज्ञान में ले। इसकी उच्चस्तरीय जांच होनी चाहिए। पाकिस्तान और अन्य देश के खिलाड़ियों के खिलाफ फिक्सिंग के लिए कार्रवाई हुयी है।

लेकिन अपने देश के खिलाड़ियों के ऊपर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। मैं चाहता हूं कि आपके माध्यम से सरकार इसकी उच्च स्तरीय जांच कराए। आईपीएल मैच के फिक्सिंग का जो मामला है यह दूध का दूध और पानी का पानी हो। इसमें काला धन लगा कर सफेद धन किया जा रहा है। इसमें देश का बहुत बड़ा नुकसान हो रहा है। पैसे की रिकवरी कर के सरकार उसे सरकारी खजाने में डाले। मैं यही मांग कर अपनी बात समाप्त करता हूं।

अध्यक्ष महोदया :

श्री राजेन्द्र अग्रवाल जी, श्री शैलेन्द्र कुमार द्वारा शून्य प्रहर में उठाए गए विषय के साथ स्वयं को संबद्ध करते हैं।

श्री कीर्ति आज़ाद (दरभंगा): अध्यक्ष महोदया, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया इसके लिए धन्यवाद। मैं खुद खिलाड़ी रहा हूं और जब वर्ष 1983 में भारत ने विश्व कप जीता था तो मैं उसका सदस्य था। स्पोर्ट फिक्सिंग का मामला आज का नहीं है। वर्ष 1999 में, मैं तेरहवीं लोकसभा का सदस्य था तब भी मैच फिक्सिंग का इश्यू उठा था। वर्ष 1996 के बाद बोर्ड में काफी पैसा आना शुरू हुआ। मुझे कोई आपत्ति नहीं है कि राजनीतिक लोग उसमें आए हैं लेकिन खेद की बात यह है कि जब से राजनीतिक लोग आए हैं तब से, और कटिंग क्रॉस पार्टी लाइन्स में बात करता हूं, चाहे उधर हों या इधर के हों, चाहे उस सदन में हों या इस सदन में हों, किसी ने भी मैच फिक्सिंग से ले कर आज तक स्पोर्ट फिक्सिंग पर, बीच में आईपीएल का मुद्दा उठा था। हैन्सी क्रोनिए जो साउथ अफ्रिका के कप्तान थे उन्होंने अदालत के सामने माना था कि वे मैच फिक्सिंग करते थे, दिल्ली और हिन्दुस्तान से फिक्सर थे।

कोई जब कभी भी किसी राजनीतिक व्यक्ति के बारे में इधर से उधर आक्षेप करते हैं तो सब खड़े होते हैं। उधर से कोई इधर करता है तो सब खड़े होते हैं लेकिन जब क्रिकेट का मामला आता है तो क्रिकेट के मामले के ऊपर जिस समय लोग आपत्ति उठाते हैं तो सारे मौसेरे भाई बन जाते हैं उसके पहले की कहावत मैं नहीं कहूंगा। हर एक एसोशिएशन को तीस-तीस करोड़ रूपया प्रत्येक वर्ष दिया जाता है। वह पैसा कहां जाता है? इसके बारे में किसी को कुछ नहीं मालूम है? खिलाड़ियों के ऊपर अवश्य आपत्ति होती है, मैं समझ सकता हूं लेकिन भ्रष्टाचार ऊपर से नीचे तक जाता है।

इसलिए मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करना चाहूंगा, यहां खेल मंत्री बैठे हुए थे, वे चले गए हैं। नेशनल स्पोर्ट फेडरेशन में क्रिकेट नहीं है। इसमें दूसरे अन्य खेल हैं। इसलिए खेल मंत्रालय का इस पर कुछ प्रभाव नहीं आ पाता है। लेकिन इस प्रकार की जो घटनाएं हो रही हैं आपके माध्यम से सरकार से यह मांग करना चाहता हूं कि जितने भी एशोसिएशन और बोर्ड्स हैं इनके ऊपर इंटरनल ऑडिट बैठा कर इसके अंदर हो रहे घोलमाल की जांच की जाए। आईपीएल यहां से उठ कर साऊथ अफ्रिका चला गया। विदेशी मुद्रा का जो हमारा नियम है उसका उल्लंघन हुआ। वह मामला दब गया। स्टैंडिंग कमेटी में भी यह मामला गया। आईपीएल को कहा गया कि यह कॉमर्शियल है। ...(व्यवधान) जितने भी खेल के यहां बोर्ड्स बनें हैं और जितने भी यहां एशोसिएशंस हैं सब ने किसी समय में एक-एक रूपया पर साल के लिए जमीन को लिया था और उसके अंदर यह कहा गया था कि हम खेल को बढ़ाएंगे। यह नो-प्राफिट और नो-लॉस में होगा लेकिन उस मेमोरैण्डम ऑफ एशोसिएशंस को बेच कर लोगों ने कारपोरेट हाउसेज को तीन-तीन करोड़, चार-चार करोड़ और पांच-करोड़ रूपये में बेचा। आईपीएल एक कॉमर्शियल एन्टिटी है। मैं मानता हूं कि उन्होंने अलग-अलग फ्रेन्चाइजीज रखे हैं। लेकिन उसमें जो ग्राउंड्स के अंदर मेमोरैण्डम ऑफ एशोसिएशन का उल्लंघन किया है, जो उद्देश्य था कि नॉन प्राफिट ऑर्गेनाइजैशन बना कर हम इस को करेंगे उसका क्या हुआ?

इसलिए मैं चाहता हूं कि आप के माध्यम से जानकारी होनी चाहिए और पूरी जिम्मेवारी के साथ कहता हूं कि पुलिस और प्रशासन इन सबों के साथ मिल कर गुलछर्रे उड़ा रही है। मैं दिल्ली पुलिस को एक साल से बारबार चिट्ठी लिख रहा हूं कि एशोसिएशन में अनियमितताएं हो रही हैं लेकिन दिल्ली पुलिस ने उसके ऊपर कोई भी कार्रवाई नहीं की है। लोग बात करते हैं कि अलग-अलग सोशलिस्ट खड़े होते हैं या दूसरे एनजीओज खड़े होते हैं, लालू जी जिनको पसंद नहीं करते हैं,* एवं अन्य लोग ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : कृपया नाम न लें।

श्री कीर्ति आज़ाद : वे इसिलिए खड़े होते हैं कि साल-साल भर हमारे जैसा आदमी जो लोकसभा का प्रतिनिधित्व करता हो, जो सबसे उच्च सदन में बैठा हो जब उनकी बातों को नहीं सुना जाता हो तो मैं समझ सकता हूं कि आम आदमी की चिट्ठियों और उनकी आवाज का क्या होता होगा? ...(व्यवधान) इसलिए मैं आप से अनुरोध करता हूं कि दिल्ली पुलिस एवं अन्य प्रशासन के जो विभाग हैं उन सबों को टाइट किया जाए। हमारी जो लिखी गई चिट्ठियां हैं उनके ऊपर तुरन्त कार्रवाई हो। कार्रवाई हो कर दूध का दूध और पानी का पानी हो। इसमें केवल खिलाड़ी ही नहीं, शैलेन्द्र जी ने मामला उठाया है या आज हमने इंडिया टीवी में देखा है, सिर्फ उस पर नहीं, मैं चाहता हूं कि खिलाड़ी ही बल्कि इन संस्थाओं को चलाने वाले राजनीतिक लोग जब से आए हैं तब से इसमें भ्रष्टाचार बढ़ता गया है। पैसा इतना ज्यादा आ गया है कि कुछ समझ में नहीं आता है कि हम कहां खर्च करें? एक खिलाड़ी होने के नाते मुझे दुख होता है, एक सांसद होने के नाते मैं समझता हूं, मैं यहां

खिलाड़ियों का प्रतिनिधित्व करता हूं, अपने क्षेत्र का तो प्रतिनिधित्व करता ही हूं। इसलिए आपसे मेरा यह अनुरोध है कि आप गवनर्मेन्ट को यह डायरेक्शन देंगी कि इन सभी एशोसिएशंस का इंटरनल ऑडिट हो और हो रहे भ्रष्टाचार को रोका जाए।

क्रिकेट का खेल धर्म की तरह अपने देश में माना जाता है। सचिन तेंदुलकर को भी हमने उनके खेल के कारण संसद सदस्य बनाया है। वह सरस्वती की मॉलैस्टेशन नहीं होनी चाहिए, हमने सरस्वती की पूजा की है। इसलिए आपसे अनुरोध है कि आप आदेश दें। यह सरकार इसे संज्ञान में लेगी और उचित कार्यवाही करेगी और जो गलत कर रहे हैं, उन्हें दंडित करेगी। (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : श्री एम.बी. राजेश अपने आपको श्री कीर्ति आजाद के विषय के साथ सम्बद्ध करते हैं।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : श्री इज्यराज सिंह।

â€¦(व्यवधान)

श्री लालू प्रसाद (सारण): मैडम,...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : जो माननीय सदस्य एसोसिएट करना चाहते हैं, वे टेबल पर स्लिप भेज दें।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : मैंने इज्यराज सिंह जी को बुला लिया है।

â€¦(व्यवधान)

SHRI GURUDAS DASGUPTA: The Minister may be directed in this regard. It cannot be overlooked.

MADAM SPEAKER: Nothing will be overlooked.

श्री लालू प्रसाद: पॉयलेट हड़ताल पर हैं। वे बरखास्त हो गए हैं। मंत्री जी पॉयलटों से बात नहीं कर रहे हैं।...(व्यवधान) पॉयलट कभी न कभी नर्वस होकर...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आज दिन में इस पर चर्चा है। आप लोग उसमें हिस्सा लीजिए।

â€¦(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Nothing else will go in record.

(Interruptions) *

अध्यक्ष महोदया : लालू जी, गुरुदास दासगुप्ता जी, आपको मालूम है आज इस विषय पर नियम 193 के अंतर्गत चर्चा है।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : मैं जान रही हूं कि आप लोगों को इसकी बहुत पीड़ा है।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप सब बैठ जाइए और हाउस को चलाने दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री लालू प्रसाद : महोदया, मंत्री जी को पॉयलटों को बुलाकर बात करनी चाहिए।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : ठीक है।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : यह क्या हो रहा है?

â€¦(व्यवधान)

SHRI GURUDAS DASGUPTA: It is violation of the rights of the workers. ...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइए। मैं आप लोगों से इसलिए अनुरोध कर रही हूं कि इसी विषय पर आज नियम 193 के अंतर्गत चर्चा लगी हुई है। जितने मुद्दे हैं, उसमें उठेंगे।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : चर्चा हो रही है। It is in the list of business. आप उसमें अपनी बात कह लीजिए। अभी शून्यकाल चला लेने दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

SHRI GURUDAS DASGUPTA: Please give the direction to the Government in this regard.

MADAM SPEAKER: How can I give a direction?

SHRI GURUDAS DASGUPTA: I would like to say that it is the privilege of the House. You are the custodian. Please ask the Government to bring the Minister here....(*Interruptions*)

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS AND MINISTER OF STATE IN THE PRIME MINISTER'S OFFICE (SHRI V. NARAYANASAMY): He would answer all the questions raised by you during the course of his reply...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: Can we proceed with the 'Zero Hour'?

...(*Interruptions*)

SHRI ANANTH KUMAR (BANGALORE SOUTH): Madam, Leader of the Opposition, Sushmaji, has raised a very important issue of propriety...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: All right. Let me receive a notice on this. If you think I should do something about it, let me first receive a notice about it. Then, I will take an action.

...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: Let us proceed now.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया : लालू जी, आप क्यों उत्तेजित हो रहे हैं? क्या हुआ?

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : इज्यराज सिंह जी, आप बोलिये।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप सब बैठ जाइये। अब हो गया। Let us proceed.

â€¦(व्यवधान)

श्री इज्यराज सिंह (कोटा): अध्यक्ष महोदया, मैं एक ऐसी समस्या को सदन के सामने रखना चाहता हूं। ...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: We are in the middle of 'Zero Hour'. As you know, during 'Zero Hour' there is no point of order. Everybody knows about it. He has raised some issue. Now if I receive a notice, I will look into it. That is what, I can do. Now, we are in the middle of 'Zero Hour'.

...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: Please sit down. If you give me a notice, I will certainly look into it.

SHRI GURUDAS DASGUPTA: I have not given any notice. I would just request you to ask the Government to bring the Minister to the House to explain why he is issuing the statements. You please give a direction.

MADAM SPEAKER: How can I do that?

...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: Nothing will go on record.

(Interruptions)[*]

SHRI ANANTH KUMAR): Madam, the matter is listed here and the Minister is speaking outside...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: Nothing will go into the records.

*(Interruptions)**

MADAM SPEAKER: We are in the middle of 'Zero Hour'. You know the rules of 'Zero Hour'. You know how we conduct the 'Zero Hour'.

...(*Interruptions*)

श्री अनंत कुमार : अध्यक्ष महोदया, आप इस विषय के बारे में रूलिंग दीजिए। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : मैं क्या रूलिंग दूं?

â€¦(व्यवधान)

श्री गुरुदास दासगुप्त: अध्यक्ष महोदया, आप डायरेक्शन दीजिए। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : इज्यराज सिंह जी, आप बोलिये।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइये। आप सब जीरो ऑवर के बारे में जानते हैं।

â€¦(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: The House stands adjourned to meet again at 2.00 p.m.

12.28 hrs

The Lok Sabha then adjourned till Fourteen of the Clock.

14.02 hrs

The Lok Sabha re-assembled at Two Minutes past Fourteen of the Clock.

(Mr. Deputy-Speaker *in the Chair*)